

22/1/24

पत्तावली पेवा हुई। जहाँ अनुपात-व्यति। रक्त-रक्त मर  
तीन-बार आवापे दिलवारे मर। सम्य सौम 5pm हो  
चुका है। अतः जहाँ के अनुपात-व्यति रहने पर जहाँ का  
ज्योति-पत्र अद्य हमरी। अद्य पेंसली में शक्ति किता  
पाना है। पत्तावली में हम शक्ति होकर उठकर ले मर ही।

निर्गम ज्ञानात्मा मया ।

